

24/6/15

पंचवली राज राजसुख लोक कदालकर/केसव मोटे  
करल सेवा. रेंड गणपत २ वरगोली पर उहिर  
दुभी/वारी कमलेरा उपस्थित/ पूजा करे

का विस्तारक हो जाने से इस प्रायक व  
मलने का कोई योग्य नहीं है अतः

पुर्वम फर २ चारिज किया जाता है पंचवली

के लल्लुगुल होकर नमक से रस है

वसा शाकिल पूजा करे

ॐ